>

Title: Need to ensure remunerative price of farm produce to farmers in Madhya Pradesh.

श्री उदय प्रताप सिंह (होशंगाबाद): किसान की अथक मेहनत और प्रयासों के बाद भी उसे बेमौसम, बारिश, ओलावृष्टि और पाले की मार सहनी पड़ती है और तब फसल की पैदावार मिलती है । नए सीजन की अनाज और फसलें जैसे की चना, मसूर, मटर, अरहर, गेहूं इत्यादि किसानों के द्वारा मंडी में आना शुरू हो गया है, परंतु इसके साथ ही एक और नई समस्या का सामना भी किसानों को करना पड़ रहा है । मंडी में किसानों को, व्यापारियों और बिचौलियों/आढ़तियों से अपनी फसल के सही दाम नहीं मिल पा रहे हैं, आश्चर्यजनक बात यह है कि सरकार के द्वारा न्यूनतम समर्थन मूल्य के घोषित होने के बावजूद मध्य प्रदेश की बहुत सारी मंडियों में किसानों से उनका अनाज और दलहन आदि निर्धारित मूल्यों से बहुत कम दामों पर खरीदे जा रहे हैं जोकि एक गंभीर अपराध है । सरकार के द्वारा इसके लिए एक मेकेनिज्म तैयार करके ऐसा करने के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही और सजा का प्रावधान करना बहुत जरूरी है ताकि शोषित किसान समुदाय को न्यायपूर्वक उसका हक दिलवाया जा सके ।

आशा है कि सरकार इस विषय पर कोई ठोस कदम उठाकर आवश्यक कार्यवाही करेगी ।